एक नजर में

अरुणा राय ने खून देकर बचाया पीड़ित बच्चे का जीवन

सीहोर. समाजसेवी अरुणा सुदेश राय ने अपना खून देकर थैलेसीमिया रोग से पीड़ित बच्चे के जीवन को बचा लिया. थैलेसीमिया विश्व दिवस पर जिला चिकित्सालय द्वारा ब्लड सेंटर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. थैलेसीमिया रोग से पीड़ित बच्चे की गंभीर अवस्था की जानकारी मिलते ही समाज सेविका अरुणा सुदेश राय ने शिविर में पहुंचकर रक्तदान किया. रक्तदान के उपरांत श्रीमती राय ने कहा कि हमें मानवीयता के आधार पर थैलेसीमिया बीमारी से पीड़ित रोगियों के लिए रक्तदान करना चाहिए.

उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगणकों का किया सम्मान

आष्टा. जनगणना कार्य में उत्कृष्ट सहयोग देने वाले प्रगणकों को प्रोत्साहित करने हेतु जसम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया. तहसीलदार एवं चार्ज अधिकारी रामलाल पगारे द्वारा प्रेम नारायण श्रीवास्तव का स्वागत किया गया. इस अवसर पर अतिरिक्त तहसीलदार हेमंत अग्रवाल, नायब तहसीलदार संदीप गौर, अजय राजपूत, जनगणना शाखा प्रभारी सतीश बिरथरे, जनगणना कार्य सहायक दीपक सेन, मोहन मेवाड़ा उपस्थित रहे.

पांच किलोमीटर उत्साह के साथ चले शिव भक्त श्रद्धालु

सीहोर. समीपस्थ ग्राम महुआखेड़ी में सात दिवसीय विशाल एकादश कुण्डिय श्री रुद्र महायज्ञ शिव परिवार प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के तत्वाधान में देर रात्रि को जगदीश मंदिर से ग्राम महुआखेड़ी तक भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में शहरी और ग्रामीण श्रद्धालु शामिल थे. शहर के जगदीश मंदिर पर धर्मेन्द्र माहेश्वरी, मनोज दीक्षित मामा, महेश कुमार, संतोष सिंह, आयुष गुप्ता ने यज्ञ संचालक पंडित दुर्गाप्रसाद कटारे, सुरेश गब्बर परमार, देवनारायण परमार, महेन्द्र परमार, जसरथ परमार, रामचरण परमार, रतन परमार, शेर सिंह परमार, अशोक कुशवाहा, मनोहर, चंदर, मधो सिंह, सुरज सिंह, स्वरूप सिंह, लाडसिंह, पुरुषोत्तम, भगवान सिंह विक्रम परमार आदि का स्वागत किया. यज्ञाचार्य पंडित दुर्गाप्रसाद कटारे ने बताया कि शिव परिवार प्राण-प्रतिष्ठ महोत्सव में एकादश कुण्डिय श्री रुद्र महायज्ञ सुबह से देर शाम तक होता था, वहीं श्री महाकालेश्वर रामायण प्रचारक रामलीला मंडल द्वारा रामलीला का मंचन किया जाता था.

जल संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी

बुधनी. उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विकासखंड बुधनी की ग्राम पंचायत होलीपुरा में जल संरक्षण एवं संवर्धन विषयक जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई. कार्यक्रम सरपंच कमल सिंह ओझा की उपस्थिति में संपन्न हुआ .ओझा ने जल को जीवन का आधार बताते हुए कहा कि वर्तमान समय में जल संरक्षण अत्यंत आवश्यक है. उन्होंने ग्रामवासियों से जल स्रोतों के संरक्षण, तालाबों एवं कुओं के पुनर्जीवन तथा जल के समुचित उपयोग के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया. कार्यशाला में ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारियों द्वारा कृषकों को जल संरक्षण के व्यावहारिक उपायों, फसल जल प्रबंधन तथा उद्यानिकी फसलों में जल उपयोग दक्षता के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई. अधिकारियों ने किसानों को खेत स्तर पर जल संरक्षण के लिए ड्रिप सिंचाई, स्प्रिंकलर सिंचाई, मल्चिंग, फार्म पॉन्ड तथा वर्षा जल संचयन जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाने की सलाह दी. कार्यशाला के दौरान किसानों को बताया गया कि सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों के उपयोग से कम पानी में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है, भू-जल स्तर को संरक्षित रखने में भी सहायता मिलती है. किसानों ने कार्यशाला में उत्साह के साथ भाग लेकर विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की.

गायत्री महायज्ञ में वैदिक मंत्रों के साथ छोड़ी आहुति

इछावर. 24 कुण्डीय राष्ट्रशक्ति समृद्धि गायत्री महायज्ञ में श्रद्धालुओं ने लोक मंगल कामना को लेकर वैदिक मंत्रों के साथ आहुतियां दी. महायज्ञ में 72 श्रद्धालुओं ने गुरु दीक्षा ली. इसके साथ ही 1100 दीपकों से दीपयज्ञ हुआ. नव चेतना एवं सकारात्मक उर्जा का संचार हुआ 50 देव कन्याओं की यज्ञ में सहभागिता रही. इस दौरान अनेक श्रद्धालुगण उपस्थित थे.

समीक्षा बैठक में अधिकारियों को लगी फटकार

प्रभारी मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने बैठक में बिना पीपीटी पहुंचे दो अधिकारियों पर जताई नाराजगी

सीहोर. शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर आयोजित विभागीय कामकाज की समीक्षा बैठक प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई.

- जिला प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर ने विभागीय काम की समीक्षा की
- बैठक के दौरान पेयजल आपूर्ति की समीक्षा भी की

नवभारत न्यूज

सीहोर 8 मई. जिला पंचायत सभाकक्ष में शुक्रवार को आयोजित समीक्षा बैठक में जिले की प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर ने विभागीय कामकाज की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जवाबदेही और जनभागीदारी के साथ काम करने के निर्देश दिए. बिना पीपीटी पहुंचे दो विभागों के अधिकारियों पर मंत्री ने नाराजगी जताई, वहीं 80 साल पुराने जमोनिया तालाब के गहरीकरण और शहर के महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों को लेकर भी उनके द्वारा अहम निर्देश दिए गए.

समीक्षा बैठक के दौरान दो विभागों के अधिकारी बिना पीपीटी के पहुंचे थे. जब उनसे विभागीय कार्यों की प्रगति प्रस्तुत करने को कहा गया तो प्रस्तुतीकरण नहीं होने पर प्रभारी मंत्री ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि बिना काम दिखाए प्रगति का आकलन कैसे होगा. उन्होंने सभी विभागों को व्यवस्थित मॉनिटरिंग और प्रस्तुतीकरण के साथ काम करने के निर्देश दिए.

प्रभारी मंत्री ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि जनभागीदारी का आंदोलन है। आने वाली पीढ़ियों के लिए जल स्रोतों को बचाना जरूरी है. उन्होंने नदियों, तालाबों, कुओं और अन्य जल स्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए. ग्रामीण क्षेत्रों के साथ शहरी क्षेत्रों में भी लोगों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया.

भीषण गर्मी को देखते हुए पेयजल आपूर्ति की समीक्षा भी बैठक का अहम हिस्सा रही. मंत्री ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में पानी की समस्या नहीं आनी चाहिए. खराब हैंडपंपों की मरम्मत, टैंकरों की उपलब्धता, जलापूर्ति की निगरानी और पानी की गुणवत्ता जांच नियमित रूप से करने के निर्देश दिए गए. शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने को भी कहा गया. समीक्षा बैठक में प्रभारी मंत्री श्रीमती गौर ने जिला प्रशासन के विभिन्न नवाचारों की सराहना की है. जिले में विभिन्न विभागों द्वारा नवाचार आधारित पहलें संचालित की जा रही हैं. इनमें स्कूल शिक्षा विभाग का अध्ययन डेस्क, हर शाला स्मार्ट शाला एवं शिक्षा पुंज, स्वास्थ्य विभाग का स्वयं नेत्र परीक्षण, श्रवण पुन: परियोजना व स्वस्थ सीहोर पहल शामिल हैं.

जनप्रतिनिधियों को दी जाए योजनाओं की जानकारी

समीक्षा बैठक में यह मुद्दा भी उठा कि कई बार जनप्रतिनिधियों को विभागीय कार्यों की जानकारी नहीं दी जाती. इस पर मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों को योजनाओं और विकास कार्यों की नियमित जानकारी दी जाए ताकि क्रियान्वयन बेहतर हो सके. गौरतलब है कि इससे पूर्व केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान की मौजूदगी में हुई दिशा की बैठक के दौरान भी जिले के जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रशासन पर उन्हें योजनाओं की जानकारी नहीं देने व अन्य अहम जानकारियों से भी वंचित रखने का आरोप लगाया था. इतना ही नहीं उन्होंने अधिकारियों पर उनके फोन रिसीव नहीं करने का भी आरोप जड़ा था. आज फिर वही बात सामने आई. बैठक में सुदेश राय, गोपाल सिंह इंजीनियर, नरेश मेवाड़ा, प्रिंस राठौर सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे.

जमोनिया तालाब के गहरीकरण की तैयारी

बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने शहर के करीब 80 साल पुराने जमोनिया तालाब में कम स्टोरेज क्षमता का मुद्दा उठाया. उन्होंने तालाब की सफाई और गहरीकरण कराने की मांग की, ताकि पानी का अधिक भंडारण हो सके. इस पर जून माह से कार्य शुरू करने के लिए प्लानिंग बनाने के निर्देश दिए गए. इसके अलावा नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर ने जिला जेल के पास रिक्त पड़ी शासकीय भूमि में से 15 एकड़ भूमि नपा को आवंटित करने की मांग रखी ताकि इस जमीन पर उन बेसहारा व निराश्रित लोगों को पीएम आवास योजना के तहत मकान बनाकर दिए जाएं जिनके पास जमीन नहीं है.

बंगाल से सत्ता जाने की हताशा में हो रही हिंसा

सीहोर. प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर ने शुक्रवार को सीहोर प्रवास के दौरान मीडिया से चर्चा की. उन्होंने पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था और ममता बनर्जी सरकार पर तीखा हमला बोला। मंत्री ने बंगाल में हो रही हिंसा को सत्ता जाने की हताशा बताया. कृष्णा गौर ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस पिछले 15 वर्षों से बंगाल की सत्ता पर काबिज है. इस दौरान वहां एक तरह से गुंडा राज स्थापित हो गया था.बंगाल की जनता टीएमसी के शासन से त्रस्त थी और लोग भयभीत होने के कारण अपनी मर्जी से मतदान नहीं कर पाते थे. मंत्री गौर ने चुनाव आयोग की भूमिका की सराहना की.उन्होंने कहा कि इस बार सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद की गई थी. चुनाव आयोग ने अपनी शक्ति का प्रयोग कर टीएमसी के मंसूबों को सफल नहीं होने दिया, परिणामस्वरूप बंगाल की जनता ने निर्भय होकर मतदान किया और सत्ता परिवर्तन की दिशा में कदम बढ़ाए. बंगाल में हालिया हिंसा की घटनाओं पर उन्होंने कहा कि टीएमसी अब अपनी हार की हताशा में ऐसी हरकतें कर रही है. भारत सरकार ने बंगाल की कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने की जिम्मेदारी अपने हाथों में ले ली है. मंत्री ने कहा कि आगामी समय में किसी भी प्रकार की हिंसा या अप्रिय घटना बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हिंसा के दोषियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो.

युवक ने सल्फास का सेवन कर दी जान

नवभारत न्यूज

सीहोर 8 मई. शहर में युवाओं द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं. एक दिन पहले जहां बड़ी ग्वालटोली निवासी युवक द्वारा फांसी लगाकर जान दी गई थी, वहीं शुक्रवार को शिवाजी कालोनी निवासी एक युवक ने जहरीले पदार्थ सल्फास का सेवन कर अपनी इहलीला समाप्त कर ली. पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच प्रारंभ कर दी है.

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना कोतवाली अंतर्गत शिवाजी कालोनी निवासी युवक रवि प्रजापति ने अज्ञात कारणों के चलते बीती रात अपने घर में जहरीले पदार्थ सल्फास का सेवन कर लिया था. तबियत बिगड़ने पर परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां से उसे भोपाल रेफर कर दिया था. जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. बताया जाता है कि दो माह पूर्व मृतक के भाई ने भी जहरीले पदार्थ का सेवन कर जान दे दी थी. इसी तारतम्य में गुरुवार को भी कोतवाली थाना क्षेत्र के बड़ी ग्वालटोली निवासी नंदकिशोर यादव ने अज्ञात कारणों के चलते अपने ही घर में फांसी के फंदे पर झूलकर आत्महत्या कर ली थी. पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है. उल्लेखनीय है कि बीते कुछ माह से जिले में युवाओं द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामलों में अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी हुई है. अमूमन सप्ताह में पांच से अधिक आत्महत्या के मामले सामने आ रहे हैं जो काफी चिंताजनक हैं. इस मामले में मनोचिकित्सकों की मानें तो मानसिक अवसाद इसका प्रमुख कारण माना जा सकता है.

खरीदी केन्द्रों पर लंबी कतारों में लगे किसान परेशान

- इछावर में साइलो के बाहर लगी ट्रैक्टर- ट्रालियों की कतारें
- चार से पांच दिन में आ रहा तुलाई का नंबर

नवभारत न्यूज

इछावर 8 मई. क्षेत्र स्थित साइलो गेहूं खरीदी केंद्र पर किसानों को भारी अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ रहा है. समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने आए किसानों की ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की 2 किलोमीटर लंबी कतारें लगी हुई हैं, जबकि उपज खरीदी की गति बेहद धीमी है.

किसानों का आरोप है कि केंद्र पर पीने के पानी और बैठने के लिए छायादार स्थान जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है. भीषण गर्मी में किसान घंटों अपनी बारी का इंतजार करने को मजबूर हैं. जब वे अपनी शिकायत लेकर केंद्र कार्यालय पहुंचते हैं, तो वहां कोई जिम्मेदार अधिकारी मौजूद नहीं मिलता. किसान मोहन ने बताया कि उनका स्लॉट एक महीने बाद बुक हुआ था. वे दो दिन से अपनी ट्रॉली लेकर केंद्र पर आए हैं, लेकिन अभी तक उनकी फसल नहीं तुली है. उन्होंने कहा कि अधिकांश खरीदी केंद्रों पर किसानों के लिए पानी और बैठने की कोई व्यवस्था नहीं है, जिससे उन्हें धूप में घंटों खड़ा रहना पड़ता है. इस संबंध में कलेक्टर बालागुरू के. ने निर्देश दिए हैं कि उपार्जन केंद्रों पर स्लॉट बुकिंग के आधार पर ही किसानों को निर्धारित समय पर बुलाया जाए, ताकि अनावश्यक भीड़ से बचा जा सके. उन्होंने यह भी कहा कि गेहूं खरीदी निर्धारित मापदंडों के अनुसार ही की जाए और गुणवत्ता से कोई समझौता न हो. गौरतलब है कि अब तक जिले में 1 लाख 2 हजार 485 किसानों ने पंजीयन कराया, जिनमें से 92 हजार 165 किसानों की स्लॉट बुकिंग हो चुकी है. इसी तरह उपार्जन केंद्रों पर अब तक 67 हजार 14 किसानों से 44 लाख 40 हजार 269 टन गेहूं की खरीदी की गई है. खरीदी गई उपज के एवज में किसानों को 1156 करोड़ रुपये की राशि देय है, जिसमें से 688 करोड़ रुपये किसानों के खातों में भुगतान किए जा चुके हैं.

नवागत पुलिस अधीक्षक ने किया नगर भ्रमण

सीहोर. गत दिवस नवागत पुलिस अधीक्षक सुश्री सोनाक्षी सक्सेना ने पदभार ग्रहण करने के बाद थाना कोतवाली का निरीक्षण किया एवं लंबित मामलों, अपराध, चालान, मर्ग आदि का अवलोकन किया. इसके उपरांत पुलिस अधीक्षक सुश्री सक्सेना द्वारा शहर के मुख्य मार्ग कोतवाली से तहसील चौराहा तक पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए. इस मौके पर एएसपी श्रीमती सुनीता रावत, सीएसपी डॉ अभिनंदना शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक प्रवीण चढोकर, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रविंद्र यादव, यातायात प्रभारी ब्रजमोहन धाकड़ मौजूद थे.

एक ही पंडाल में हुए सामूहिक विवाह और निकाह

नवभारत न्यूज

आष्टा 8 मई. गत दिवस डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ग्राउंड पर सीएम कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया. इस समारोह में कुल 200 जोड़े दांपत्य सूत्र में बंधे. सीएम डॉ. मोहन यादव ने वर्चुअल माध्यम से नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया.

इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में विधायक गोपालसिंह इंजीनियर के प्रयासों से 182 जोड़ों का विवाह वैदिक रीति-रिवाजों और मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ. वहीं, 18 मुस्लिम जोड़ों का निकाह मुस्लिम समाज की परंपराओं के अनुसार कराया गया. योजना के तहत, प्रत्येक नवविवाहित वधू के खाते में 49 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई, ताकि वे अपने नए जीवन की शुरुआत सुगमता से कर सकें. विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह निकाह योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए सरकार की एक संवेदनशील और जनहितैषी पहल है. उन्होंने बताया कि सामूहिक विवाह आयोजनों से सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिलता है और अनावश्यक खर्चों और सामाजिक कुरीतियों पर अंकुश लगता है. कार्यक्रम को विधायक गोपालसिंह इंजीनियर, जिला पंचायत अध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष दीक्षा गुणवान, पूर्व जनपद अध्यक्ष धारासिंह पटेल, नपाध्यक्ष हेमकुंवर रायसिंह मेवाड़ा और सहकारी नेता देवीसिंह परमार सहित कई जनप्रतिनिधियों द्वारा संबोधित किया गया.

- आष्टा के सम्मेलन में 200 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे
- 18 मुस्लिम जोड़ों का मुस्लिम परंपरा से हुआ निकाह

नेशनल लोक अदालत जिले में आज

सीहोर. जिला न्यायालय व तहसील मुख्यालयों पर आज नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है.

In The Court of i Additional Judge To I Civil Judge Class-I, District Court, Sehore

Presiding Officer: **दीपेन्द्र मालू**

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकरण हेतु)

(MJC SUC/0000005/2026)

जीनत.....वादी

Vs

कार्यपालन यंत्री म.प्र.वि.वि.कं.लि.जिला आगर मालवा प्रतिवादी

Process ID /2026

पेशी दिनांक 27/06/2026

प्रषिती-

(1) सर्व साधारण पता जिला भोपाल।

यह कि प्रार्थी जीनत पत्नि स्व बान अली आयु 32 वर्ष निवासी रानी मोहल्ला गंज सीहोर तहसील व जिला सीहोर ने आपके विरूद्ध धारा 372 उत्तराधिकार अधिनियम के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 05 May 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

न्यायाधीश
(दीपेन्द्र मालू)
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड के प्रथम अतिरिक्त न्यायाधीश सीहोर
जिला सीहोर (म.प्र.)

किल्लत शहर के तीनों पंपों पर सीएनजी गैस की कमी गहराई, घंटों इंतजार के बाद भी नहीं मिल रही गैस

सीएनजी की किल्लत से वाहन चालक परेशान, पंप पर लगीं कतारें

नवभारत न्यूज

सीहोर 8 मई. शहर में इन दिनों सीएनजी की किल्लत गंभीर समस्या बनती जा रही है. हालत यह है कि शहर के तीनों सीएनजी पंपों पर सुबह से ही वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं. घंटों इंतजार के बाद भी कई वाहन चालकों को मायूस होकर बिना गैस भरवाए लौटना पड़ रहा है. मांग बढ़ने और आपूर्ति कम रहने से आम लोगों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है.

शहर में वर्तमान में तीन सीएनजी पंप संचालित हो रहे हैं, लेकिन इनके बावजूद गैस की उपलब्धता जरूरत के मुकाबले कम पड़ रही है. सुबह और शाम के समय सबसे ज्यादा भीड़ देखने को मिल रही है. ऑटो, टैक्सी और निजी वाहन चालकों की लंबी लाइनें पंपों के बाहर आम बात बन गई हैं. कई बार वाहन चालकों को दो से तीन घंटे तक अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है. पटेल पंप के संचालक शैलेष पटेल ने बताया कि वर्तमान में मांग और आपूर्ति के बीच बड़ा अंतर बना हुआ है। शहर में सीएनजी वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, लेकिन उसके अनुरूप सप्लाई नहीं मिल पा रही है. इसी कारण कई बार स्टॉक जल्दी खत्म हो जाता है और लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है. उन्होंने कहा कि नियमित और पर्याप्त आपूर्ति मिलने पर ही स्थिति सामान्य हो सकती है.

वाहन चालकों का कहना है कि सीएनजी सस्ती होने के कारण बड़ी संख्या में लोग अब इसी ईंधन का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन पर्याप्त गैस नहीं मिलने से रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही है. ऑटो चालकों का कहना है कि लाइन में लगने के कारण उनकी रोज की कमाई प्रभावित हो रही है. कई बार सवारी छोड़कर घंटों पंप पर खड़ा रहना पड़ता है. वहीं निजी वाहन मालिकों को भी कामकाज और यात्राओं में देरी का सामना करना पड़ रहा है.

गर्मी के मौसम में लंबी कतारों में खड़े रहना लोगों के लिए और अधिक मुश्किल साबित हो रहा है. नागरिकों ने प्रशासन और संबंधित गैस कंपनियों से मांग की है कि सीएनजी की आपूर्ति बढ़ाई जाए, ताकि शहरवासियों को राहत मिल सके. यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो आने वाले दिनों में समस्या और गंभीर हो सकती है.